24-03-2020
दिनांक :- ~~25-03-2020~~
वर्ग :- B.A. पार्ट (I) प्रतिष्ठा इतिहास
(History Honours)

सीर्षक पूर्व ऐतिहासिक काल :- छात्रों के इतिहास का गहन समझने के लिए काल विभाजन जीवों की उत्पति एवं आदिम मानव की उत्पति के संदर्भ में समझने का प्रयास करेंगे। जुरासिक काल में पृथ्वी की उत्पत्ति और डायनासोर वही आगे चलकर सरीसृप जैसे :- सांप कछुआ उभय चर में मेंढक मगर आदि जन्तुओं की उत्पति हुई।

बिहार में चिरांद नालंदा आदि जगहों पे सभ्यता के अभिलाक्षणिक गुण धीरे धीरे दिखने रहे थे।
वही जम्मू कश्मीर में बुर्जहोम और गुफ कराल संस्कृति का विकास हो रहा था।

भू वैज्ञानिक दृष्टि से पृथ्वी लगभग 4.8 अरब वर्ष प्राचीन है। तथा इस पर जीवन का प्रारम्भ लगभग 3.5 अरब वर्ष पूर्व हुआ पृथ्वी के भू-वैज्ञानिक समय सारणी को महाकल्पों (Eras) में विभाजित किया जाता है। तथा प्रत्येक महाकल्प को अनेक कल्पों (Periods) तथा कल्पों को अनेक युगों (Epochs) में विभाजित हो जाता है।

तकनीकी परिवर्तन भी पहला चरण बुर्जहोम गोरखपुर, मास्की, पिकलीहल, हल्लूर आदि क्षेत्रों में प्रागैतिहासिक काल को समावृत्त मिला है।

बेलन घाटी :- संस्कृति जिसका स्थल बलिया से लेकर पश्चिमी पंजाब तक का क्षेत्र पाया जाता है।

इतिहास का विभाजन :- प्रागैतिहासिक (Pre-History) आद्य इतिहास (Proto history)

तथा इतिहास तीन भागों में विभाजित किया गया है कि प्रागैतिहासिक से तात्पर्य उस काल से है! जब मनुष्य ने लिपि अथवा लेखन कला का विकास नहीं किया था! मानव सभ्यता के आदि काल को पाषाण काल कहते हैं! क्योंकि इसमें मनुष्य का जीवन पाषाण निर्मित उपकरणों पर निर्भर करता था! प्रागैतिहासिक काल की परिधि में सभी पाषाण युगीन सभ्यताएं आती हैं। लिपि के स्पष्ट प्रमाण सिंधु सभ्यता में मिल जाते हैं! किन्तु उसका पठन अभी तक संभव नहीं हो पाया है। वैदिक काल में शिक्षा पद्धति मौखिक थी! अतः सिंधु तथा वैदिक (नवपाषाणकाल) सभ्यता को सूचित करने के लिए प्रागैतिहासिक के स्थान पर आद्य इतिहास (Proto History) शब्द का प्रयोग किया जाता है! इसके अन्तर्गत ये धातु कालीन सभ्यतायें आती हैं।

Scanned with CamScanner

जिनके विषय में लिखित प्रमाणों से प्रकाश नहीं पड़ता। जिस काल का इतिहास लिखित साक्ष्यों से विदित होता है उसे ऐतिहासिक काल की संज्ञा दी जाती भारतीय सन्दर्भ में यह काल ईसा पूर्व छठी शताब्दी से प्रारम्भ होता है! इस प्रकार कालक्रम की दृष्टि से मानव सभ्यता का .001 प्रतिशत काल ही ऐतिहासिक है। यह मानव मात्र के विकास से सम्बन्धित है! इस काल का इतिहास हम एकमात्र अनपढ़ वस्तुओं तथा उपकरणों से ज्ञात करते हैं!
जिनका उपयोग आदि मानव ने किया था अग्रलिखित पंक्तियों में इनका विवरण प्रस्तुत किया जायेगा !